IJISEM
INTERNATIONAL JOURNAL OF INNOVATIONS IN SCIENCE ENGINEERING AND MANAGEMENT

Check for updates

OPEN ACCESS

Volume: 4

Issue: 1

Month: March

Year: 2025

ISSN: 2583-7117

Published: 20.03.2025

Citation:

राम प्रकाश जोशी "राजनीतिक जागरूकता और नागरिक भागीदारी: लोकतंत्र की मजबूती के लए आवश्यक तत्व" International Journal of Innovations in Science Engineering and Management, vol. 4, no. 1, 2025, pp. 275–284.

DOI:

10.69968/ijisem.2025v4i1275-284

This work is licensed under a Creative Commons Attribution-Share Alike 4.0 International License

राजनीतिक जागरूकता और नागरिक भागीदारी: लोकतंत्र की मजबूती के लए आवश्यक तत्व

राम प्रकाश जोशी [1]

[1]*सहायक प्राध्यापक, शासकीय नवीन महा वद्यालय वटगन, पलारी, बलौदाबाजार।*
ईमेल-आईडी- rakeshjoshi6427@gmail.com

सारांश

राजनीतिक जागरूकता लोकतांत्रिक भागीदारी और सामाजिक प्रगति के लए मौ लक है। यह समीक्षा पत्र युवाओं में राजनीतिक चेतना के महत्व की खोज करता है और उनकी भागीदारी को प्रभा वत करने वाले कारकों की जांच करता है। मौजूदा अध्ययनों से संकेत मलता है क युवा व्यक्तियों में राजनीतिक जागरूकता की अलग-अलग डग्री होती है, ले कन लोकतांत्रिक प्र क्रयाओं में उनकी स क्रय भागीदारी सी मत रहती है। सामाजिक-आ थक स्थिति, शक्षा और राजनीतिक प्रवचन के संपर्क में आना राजनीतिक भागीदारी को आकार देने में महत्वपूर्ण भू मका निभाते हैं। सोशल मी डया के बढ़ते प्रभाव ने राजनीतिक जागरूकता को बदल दिया है, जिससे युवाओं को सूचना और प्रवचन के लए मंच उपलब्ध हो गए हैं। हालाँ क, गलत सूचना, राजनीतिक ध्रुवीकरण और अलगाव जैसी चुनौतियाँ प्रभावी भागीदारी में बाधा डालती हैं। शोध से पता चलता है क नागरिक साक्षरता कार्यक्रम, शै क्षक सुधार और सामुदायिक आउटरीच सहित ल क्षत हस्तक्षेप राजनीतिक प्रभावकारिता को बढ़ा सकते हैं और स क्रय भागीदारी को बढ़ावा दे सकते हैं। निष्कर्ष राजनीतिक ज्ञान और कार्रवाई के बीच अंतर को कम करने के लए नीति निर्माताओं, शक्षकों और नागरिक समाज संगठनों के बीच सहयोगात्मक प्रयासों की आवश्यकता पर जोर देते हैं। इन बाधाओं को दूर करने से युवाओं को लोकतांत्रिक शासन में सार्थक रूप से योगदान करने के लए सशक्त बनाया जा सकता है, जिससे अ धक सू चत और स क्रय नागरिक सुनिश्चित हो सकते हैं।

कीवर्ड: राजनीतिक जागरूकता, युवा सहभा गता, नागरिक भागीदारी, सोशल मी डया, शक्षा, राजनीतिक प्रभावकारिता, लोकतांत्रिक शासन।

परिचय

राजनीतिक जागरूकता से तात्पर्य कसी व्यक्ति की राजनीतिक प्रणा लयों, शासन संरचनाओं, नीतियों और नागरिक अ धकारों की समझ से है। इसमें राजनीतिक वचारधाराओं, सरकारी संस्थानों, चुनावी प्र क्रयाओं और सामाजिक-राजनीतिक मुद्दों के बारे में ज्ञान शा मल है जो कसी राष्ट्र के लोकतांत्रिक ढांचे को आकार देते हैं [1]।

राजनीतिक जागरूकता एक जागरूक नागरिक को बढ़ावा देने के लए आवश्यक है जो निर्णय लेने की प्र क्रयाओं में स क्रय रूप से भाग लेता है, राजनीतिक संस्थानों की जवाबदेही और पारद र्शता सुनिश्चित करता है।

राजनीतिक जागरूकता के घटक

घटक	ववरण
राजनीतिक प्रणा लयों को समझना	सरकार के व भन्न रूपों) लोकतंत्र, सत्तावाद, आदि (का ज्ञान, कार्यकारी, वधायी और न्यायिक शाखाओं जैसी राजनीतिक संरचनाओं के बारे में जागरूकता और संवैधानिक अ धकारों और कर्तव्यों की समझ। [2]
राजनीतिक प्र क्रयाओं के प्रति जागरूकता	निर्वाचन प्रणा लयाँ, मतदान प्र क्रयाएँ, राजनीतिक दलों की भू मका, नीति-निर्माण, वधायी प्र क्रयाएँ, तथा शासन पर जनमत और वकालत का प्रभाव।
राजनीतिक मुद्दों और समसामयिक मामलों का ज्ञान	घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय राजनीतिक घटनाओं के बारे में जागरूकता, आ र्थक नीतियों, सामाजिक सुधारों, लोक प्रशासन को समझना और समाज के व भन्न वर्गों पर शासन के प्रभाव को पहचानना।
राजनीतिक जागरूकता में मी डया और संचार की भू मका	राजनीतिक ज्ञान पर पारंपरिक और डजिटल मी डया का प्रभाव, गलत सूचना की भू मका और तथ्य-जाँच की आवश्यकता, और राजनीतिक गतिशीलता और जागरूकता के लए एक उपकरण के रूप में सोशल मी डया।
राजनीतिक समाजीकरण एवं नागरिक शक्षा	राजनीतिक जागरूकता को आकार देने में परिवार, शक्षा और सहकर्मी समूहों की भू मका, स्कूलों और वश्व वद्यालयों में नागरिक शक्षा का महत्व और राजनीतिक चेतना को बढ़ावा देने में गैर सरकारी संगठनों और नागरिक समाज का प्रभाव। [3]

राजनीतिक जागरूकता का अर्थ केवल ज्ञान प्राप्त करना ही नहीं है, बल्कि राजनीतिक घटनाक्रमों पर आलोचनात्मक दृष्टिकोण वक सत करना भी है। एक राजनीतिक रूप से जागरूक नागरिक, नागरिक भागीदारी में शा मल होने, लोकतांत्रिक प्र क्रयाओं में योगदान देने और नेताओं को जवाबदेह बनाने के लए बेहतर ढंग से सुसज्जित है।

लोकतंत्र में नागरिक भागीदारी की भूमिका

नागरिक भागीदारी लोकतंत्र को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भू मका निभाती है, यह सुनिश्चित करके क नागरिक शासन और निर्णय लेने की प्र क्रयाओं में स क्रय रूप से शा मल हों। इसमें मतदान, वरोध, या चका, स्वयंसेवा और सार्वजनिक चर्चाओं में भाग लेने जैसे व भन्न प्रकार के जुड़ाव शा मल हैं [4]। ये गति व धयाँ व्यक्तियों को अपनी राय व्यक्त करने, अ धकारों की वकालत करने और सरकारों को जवाबदेह ठहराने में सक्षम बनाती हैं। एक स क्रय नागरिक शासन में पारद र्शता, जवाबदेही और समावे शता को बढ़ावा देता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है क नीतियां सार्वजनिक जरूरतों और चंताओं को प्रतिबिंबित करती हैं।

नागरिक भागीदारी लोगों, वशेष रूप से हा शए पर रहने वाले समुदायों को सार्वजनिक नीतियों और सामाजिक वकास पहलों को प्रभा वत करने के लए एक मंच प्रदान करके सशक्त बनाती है [5]। यह व वध

समूहों के बीच सामूहिक कार्रवाई और सहयोग को बढ़ावा देकर सामाजिक सामंजस्य को भी बढ़ाता है। आधुनिक लोकतंत्रों में, डिजिटल प्लेटफार्मों ने ऑनलाइन स क्रयता, जागरूकता अ भयानों और आभासी चर्चाओं के माध्यम से नागरिक जुड़ाव के अवसरों को और बढ़ा दिया है। [6]

हालां क, कई चुनौतियां प्रभावी नागरिक भागीदारी में बाधा डालती हैं, जिनमें मतदाता उदासीनता, राजनीतिक अलगाव, गलत सूचना और नागरिक स्वतंत्रता पर प्रतिबंध शा मल हैं। इन बाधाओं को दूर करने के लए मजबूत नागरिक शक्षा, नीति सुधारों और जमीनी स्तर के आंदोलनों को बढ़ावा देने की आवश्यकता है [7]। प्रौद्यो गकी और डिजिटल उपकरणों का लाभ उठाने से व्यापक भागीदारी को भी बढ़ावा मल सकता है, वशेष रूप से युवा पीढ़ियों के बीच [8]। नागरिक सहभा गता को मजबूत करने से न केवल लोकतांत्रिक मूल्य मजबूत होते हैं, बल्कि यह भी सुनिश्चित होता है क शासन सहभागी, समावेशी और सामाजिक आवश्यकताओं के प्रति उत्तरदायी बना रहे।

राजनीतिक जागरूकता और नागरिक भागीदारी को प्रभावित करने वाले कारक

राजनीतिक जागरूकता और नागरिक भागीदारी कई प्रमुख कारकों से प्रभा वत होती है, जिसमें शक्षा, सामाजिक-आ र्थक स्थिति, मी डया जो खम और सरकारी नीतियां शा मल हैं। शक्षा और साक्षरता का स्तर कसी व्यक्ति की राजनीतिक प्रणा लयों, अ धकारों और जिम्मेदारियों की समझ को आकार देने में महत्वपूर्ण भू मका निभाता है। उच्च शक्षा का स्तर अक्सर बढ़ी हुई राजनीतिक भागीदारी के साथ सहसंबद्ध होता है, क्यों क श क्षत व्यक्ति सूचना तक पहुँचने, नीतियों का आलोचनात्मक वश्लेषण करने और शासन में भाग लेने की अ धक संभावना रखते हैं। [9]

सामाजिक-आ र्थक स्थिति भी राजनीतिक भागीदारी को प्रभा वत करती है। स्थिर आय और सुर क्षत आजी वका वाले व्यक्तियों के राजनीतिक गति व धयों में शा मल होने की अ धक संभावना होती है, जब क आ र्थक कठिनाइयों के कारण तथा तत्काल अस्तित्व की चंताओं के कारण राजनीतिक उदासीनता हो सकती है [10]। इसके अतिरिक्त, हा शए पर रहने वाले समुदायों को अक्सर राजनीतिक जानकारी और संसाधनों तक पहुँचने में बाधाओं का सामना करना पड़ता है, जिससे उनकी भागीदारी सी मत हो जाती है।

आधुनिक लोकतंत्र में मी डया और डिजिटल प्लेटफॉर्म की भू मका लगातार महत्वपूर्ण होती जा रही है। पारंपरिक मी डया, जैसे क समाचार पत्र और टेली वजन, सोशल मी डया सहित डिजिटल प्लेटफॉर्म के साथ-साथ राजनीतिक वचारों को प्रभा वत करते हैं और नागरिक कार्रवाई को संगठित करते हैं। हालाँ क, गलत सूचना और पक्षपातपूर्ण रिपोर्टिंग राजनीतिक जागरूकता को वकृत कर सकती है। [11]

अंत में, सरकारी नीतियाँ और संस्थागत समर्थन नागरिकों की राजनीतिक प्र क्रयाओं में भागीदारी की सीमा को निर्धारित करते हैं। पारद र्शता, मतदाता शक्षा और अ भव्यक्ति की स्वतंत्रता को बढ़ावा देने वाली नीतियाँ नागरिक सहभा गता को प्रोत्साहित करती हैं, जब क प्रतिबंधात्मक नीतियाँ भागीदारी को दबा सकती हैं और लोकतांत्रिक प्रगति को सी मत कर सकती हैं।

राजनीतिक जागरूकता और नागरिक भागीदारी को प्रभा वत करने वाले कारक

कारक	राजनीतिक जागरूकता और नागरिक भागीदारी पर प्रभाव
शक्षा और साक्षरता स्तर	उच्च शक्षा राजनीतिक अ धकारों, नीतियों और शासन की बेहतर समझ को बढ़ावा देती है, जिससे भागीदारी बढ़ती है।
सामाजिक-आ थक स्थिति	वत्तीय स्थिरता अ धक राजनीतिक जुड़ाव को सक्षम बनाती है, जब क आ थक कठिनाइयाँ राजनीतिक उदासीनता का कारण बन सकती हैं।
मी डया और डजिटल प्लेटफॉर्म की भू मका	पारंपरिक और डजिटल मी डया राजनीतिक राय को आकार देते हैं, ले कन गलत सूचना सार्वजनिक धारणा को गुमराह कर सकती है।
सरकारी नीतियाँ और संस्थागत समर्थन	पारदर्शी नीतियाँ और मतदाता शक्षा कार्यक्रम भागीदारी को प्रोत्साहित करते हैं, जब क प्रतिबंधात्मक कानून नागरिक भागीदारी को दबा सकते हैं। [12]

साहित्य समीक्षा

अध्ययनों से पता चलता है क सामाजिक-आ थक स्थिति, माता- पता की शै क्षक उपलब्धि और जाति के आधार पर युवाओं के नागरिक ज्ञान और राजनीतिक प्रभावकारिता में असमानताएँ बढ़ रही हैं। युवा राजनीतिक भागीदारी के अ धकांश अध्ययन राजनीतिक प्रभावकारिता और नागरिक ज्ञान के राजनीतिक भागीदारी पर पड़ने वाले प्रभाव पर ध्यान केंद्रित करते हैं। राजनीतिक भागीदारी के राजनीतिक प्रभावकारिता और नागरिक ज्ञान पर पड़ने वाले प्रभाव पर कुछ ही रिपोर्ट हैं। यह लेख एक हस्तक्षेप का वर्णन करता है जो नागरिक साक्षरता कार्यशालाओं को लागू राजनीतिक भागीदारी के साथ जोड़कर निम्न-आय वाले, जातीय रूप से व वध हाई स्कूल के छात्रों के नागरिक ज्ञान और राजनीतिक प्रभावकारिता को बढ़ाता है। तीन वर्षों में, अपवर्ड बाउंड में नामां कत 47 हाई स्कूल के छात्रों ने छह घंटे की नागरिक साक्षरता कार्यशाला में भाग लया। कार्यशाला के समापन पर, छात्रों ने वधायकों से मलने और वधायी सुनवाई में भाग लेने में एक दिन बिताया। परिणाम कार्यशाला और नर्वा चत अ धकारियों के साथ मुलाकातों के बाद युवाओं के बीच राजनीतिक प्रभावकारिता में वृद् ध और नागरिक ज्ञान में उल्लेखनीय वृद् ध दर्शाते हैं। [13]

मतदाताओं के चुनाव में भाग लेने के तरीके पर भी असर पड़ा है। डब्रूगढ़ जिले के वशेष संदर्भ में परिणामों के परिणामों पर चर्चा की गई है, और आगे के अध्ययन के लए दिशा-निर्देश सुझाए गए हैं। ये निष्कर्ष उस शक्तिशाली प्रभाव को प्रद र्शत करते हैं जो सोशल मी डया प्लेटफ़ॉर्म पर व्यक्तियों की वर्तमान राजनीतिक घटनाओं से अवगत रहने और उनमें भाग लेने की क्षमता पर पड़ता है। जो व्यक्ति सोशल मी डया का उपयोग नहीं करते हैं, उनकी तुलना में जो लोग इसका उपयोग करते हैं, वे अ धक राजनीतिक रूप से जुड़े हुए और जानकार होते हैं। शोध के अनुसार, सोशल मी डया राजनीतिक लामबंदी के लए एक उपयोगी मंच हो सकता है और व्यक्तियों को राजनीतिक वमर्श और बहस में शा मल होने के लए प्रोत्साहित कर सकता है। वर्तमान राजनीतिक घटनाओं से अवगत रहने और उनमें भाग लेने की व्यक्तियों की क्षमता पर। जो व्यक्ति सोशल

मी डया का उपयोग नहीं करते हैं, उनकी तुलना में जो लोग इसका उपयोग करते हैं, वे अ धक राजनीतिक रूप से जुड़े हुए और जानकार होते हैं। [14]

अध्ययन ने पक्षपातपूर्ण गति व धयों में भागीदारी को प्रभा वत करने में राजनीतिक जागरूकता की भू मका की जांच की। शोध ने लोकतांत्रिक भागीदारी को बढ़ाने में राजनीतिक चेतना के महत्व पर व भन्न वद्वानों के दृष्टिकोणों को संश्ले षत कया। इसने वशेष रूप से वश्व वद्यालय के छात्रों पर ध्यान केंद्रित कया, उन्हें लोकतांत्रिक शासन को बनाए रखने के लए आवश्यक भ वष्य के नेताओं के रूप में मान्यता दी। अध्ययन ने द क्षण अफ़्रीकी युवाओं में राजनीतिक उदासीनता के बारे में चंताओं को उजागर कया और उनकी जागरूकता और भागीदारी के स्तर का आकलन करने की आवश्यकता को रेखां कत कया। निष्कर्षों से पता चला क वश्व वद्यालय के छात्रों में राजनीतिक जागरूकता का उच्च स्तर था, जो लोकतांत्रिक जवाबदेही और शासन के लए फायदेमंद था। हालां क, उनकी जागरूकता के बावजूद, मतदान जैसी पारंपरिक राजनीति में उनकी वास्त वक भागीदारी अपेक्षाकृत कम रही। इस वसंगति ने सरकारों, नागरिक समाज और अन्य लोकतांत्रिक संस्थानों से हस्तक्षेप की आवश्यकता का संकेत दिया। इसके अतिरिक्त, अध्ययन ने राजनीतिक जागरूकता और भागीदारी के बीच एक सकारात्मक सहसंबंध स्था पत कया, यह सुझाव देते हुए क बढ़ती जागरूकता को रंगभेद के बाद के द क्षण अफ्रीका में लोकतांत्रिक प्रथाओं को मजबूत करने के लए स क्रय भागीदारी की ओर रणनीतिक रूप से निर्दे शत कया जाना चाहिए। [15]

इस शोधपत्र में राजनीतिक भागीदारी और नागरिक जुड़ाव पैदा करने में मानव पूंजी की भू मका की जांच की गई है। मानव पूंजी को कौशल और ज्ञान के ऐसे समूह के रूप में परिभा षत करना जिसका उपयोग मूल्य के आउटपुट का उत्पादन करने के लए कया जा सकता है, और इस अवधारणा को एक लेंस के रूप में अपनाना जिसके माध्यम से भागीदारी और जुड़ाव की जांच की जा सकती है, मानव पूंजी में नवेश से जुड़े लागत और लाभों को प्रकट करता है। यह अप्रत्यक्ष सामाजिक लाभों के परिणामस्वरूप दीर्घका लक नवेश के संदर्भ में भी जांच को तैयार करता है। वैचारिक स्पष्टता के लए, राजनीतिक भागीदारी को औपचारिक क्षेत्र में राजनीतिक निर्णय लेने को प्रभा वत करने के लए की जाने वाली पारंपरिक और अपरंपरागत गति व धयों के रूप में परिभा षत कया गया है। दूसरी ओर, नागरिक जुड़ाव को गति व धयों के एक बड़े समूह के रूप में परिभा षत कया गया है जिसमें राजनीतिक भागीदारी शा मल है, ले कन यह इससे आगे बढ़कर नागरिक मामलों में गति व धयों जैसे क सामुदायिक संघों में भागीदारी, साथ ही मी डया उपभोग और राजनीतिक रु च जैसे जुड़ाव के मनोवैज्ञानिक आयामों को शा मल करता है। लोकतांत्रिक सद्धांत की समीक्षा से पता चलता है क शक्षा द्वारा निभाई जाने वाली महत्वपूर्ण भू मका, मानव पूंजी के वकास में सहायक, नागरिक कौशल और एक लोकतांत्रिक लोकाचार वक सत करने में महत्वपूर्ण भू मका निभाती है। आधुनिक लोकतांत्रिक सद्धांत में प्रमुख वषय यह है क नागरिक भागीदारी का महत्वपूर्ण स्तर वैधता के लए एक आवश्यक आवश्यकता है, एक तर्क जिसने कई लोगों को "लोकतांत्रिक घाटे" पर चंता व्यक्त करने के लए प्रेरित कया है। हालाँ क, आधुनिक

लोकतांत्रिक सद्धांतकार नागरिक भागीदारी के महत्वपूर्ण स्तरों के लए तर्क देने में एकजुट नहीं हैं। [16]

इस अध्ययन ने उन कई वषयों और मुद्दों का परिचय प्रदान कया है जिन पर इस पुस्तक के शेष भाग में वस्तार से चर्चा की गई है। वशेष रूप से, इसमें युवा लोगों की नागरिक और राजनीतिक भागीदारी के व भन्न रूपों का वर्णन कया गया है, युवा लोगों द्वारा उपयोग कए जाने वाले भागीदारी के रूपों में हाल के परिवर्तनों का वर्णन कया गया है, ऐसे कारकों के चार समूहों की रूपरेखा तैयार की गई है जो ऐसी भागीदारी से संबं धत हैं (अर्थात, मनोवैज्ञानिक, सामाजिक, जनसांख्यिकीय और वृहद कारक) और इन कारकों के बीच मौजूद अंतर-संबंधों को समझाया गया है। इस अध्याय में युवा नागरिक और राजनीतिक जुड़ाव की जटिलता पर भी जोर देने की को शश की गई है: युवा लोगों की नागरिक और राजनीतिक चंताएं उनके दैनिक जीवन और उनकी अपनी व शष्ट सामाजिक स्थिति और संदर्भ से बहुत जुड़ी हुई हैं, जैसा क उनके देश, जातीयता, लंग और उम्र के अंतर वभाजन द्वारा परिभा षत कया गया है और भागीदारी के व भन्न रूप जो वे अपनाते हैं, वे व भन्न कारकों के नक्षत्रों से प्रभा वत हो सकते हैं। [17]

युवा लोगों की नागरिक भागीदारी पर अ धक ध्यान देने की संभावना रोमांचक है, खासकर तब जब से नागरिक शास्त्र पर उपलब्ध डेटा बहुत सी मत है। सादृश्य के अनुसार, पढ़ने और ग णत जैसे अन्य वषय क्षेत्रों में अनुसंधान उच्च-निष्ठा डेटा की उपलब्धता के साथ वक सत हुआ है, जिसने बदले में शक्षकों और नीति निर्माताओं को समान रूप से सू चत कया है। यही बात निःसंदेह नागरिक शास्त्र के लए भी सत्य होगी। इन संकेतकों का व्यवस्थित संग्रह अमेरिका के स्कूलों में नागरिक शक्षा की प्रभावशीलता पर कठोर शोध को बढ़ावा देगा। वशेष रूप से रोमांचक यह है क उन परिस्थितियों को और अ धक समझने की संभावना है जिनके तहत स्कूल कशोरों के घरों और पड़ोस में नागरिक संसाधनों की कमी की भरपाई करते हैं। सफल प्रथाओं को बड़े पैमाने पर लाने से उन गहरी सामाजिक असमानताओं को संतु लत कया जा सकेगा जो वर्तमान में अमेरिका में नागरिक भागीदारी की वशेषता हैं। [18]

शोध से पता चला है क शक्षा ज्ञान, कौशल और नागरिक जुड़ाव को बढ़ाकर राजनीतिक भागीदारी को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भू मका निभाती है। श क्षत व्यक्तियों को राजनीतिक प्रणा लयों, चुनावी प्र क्रयाओं और नागरिक जिम्मेदारियों की बेहतर समझ होती है, जिससे वे सू चत निर्णय लेने में सक्षम होते हैं। अध्ययनों ने शक्षा और मतदाता मतदान के बीच एक मजबूत संबंध भी स्था पत कया है, क्यों क उच्च शक्षा स्तर वाले लोगों के मतदान करने और राजनीतिक गति व धयों में भाग लेने की अ धक संभावना होती है। इसके अतिरिक्त, शक्षा राजनीतिक प्रभावकारिता को बढ़ावा देती है, जिससे राजनीतिक परिणामों को प्रभा वत करने में व्यक्तियों का आत्म वश्वास बढ़ता है। श क्षत नागरिक राजनीतिक चर्चाओं, वकालत और नीति-निर्माण में अ धक शा मल होते हैं, जो एक मजबूत लोकतांत्रिक संस्कृति में योगदान देता है।[19]

अध्ययन में 14-25 वर्ष की आयु के युवाओं की नागरिक और राजनीतिक भागीदारी की जांच की गई जो युवा संगठनों, छात्र संघों, राजनीतिक दलों और सामाजिक आंदोलनों में स क्रय थे। बौ र्डयू के अभ्यास के सद्धांत और सांस्कृतिक दृष्टिकोण का उपयोग करते

हुए, अध्ययन ने युवा राजनीतिक अलगाव की धारणा को चुनौती दी, इसके बजाय भागीदारी को एक सामाजिक रूप से अंतर्निहित और गतिशील अभ्यास के रूप में परिभा षत कया जो ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से होता है। शोध ने भागीदारी के तीन परस्पर संबं धत आयामों की पहचान की। सबसे पहले, नागरिकता अ भ वन्यास की शब्दावली में युवा लोगों के राजनीतिक ज्ञान, मूल्यों और राजनीतिक क्षेत्र में आत्म-स्थिति को शा मल कया गया। दूसरा, नागरिकता प्रथाओं की शब्दावली में उनकी भागीदारी के पैमाने और रूपों का उल्लेख कया गया। तीसरा, डजिटल जुड़ाव की शब्दावली ने जांच की क युवा लोगों ने राजनीतिक भागीदारी के लए डजिटल दुनिया को कैसे ने वगेट कया, जो उनके व्यापक नागरिकता अ भ वन्यास और ऑफ़लाइन भागीदारी से आकार लेता है। अध्ययन ने इस बात पर जोर दिया क युवाओं की भागीदारी उनके सामाजिक अनुभवों, उपलब्ध संसाधनों और राजनीतिक समाजीकरण पर निर्भर करती है। [20]

शोध ने राजनीतिक जागरूकता को सामाजिक वकास में एक महत्वपूर्ण कारक के रूप में उजागर कया है, जो नागरिक समाज संस्थाओं को समुदायों में स क्रय भू मका निभाने में सक्षम बनाता है। अध्ययनों से संकेत मलता है क छात्रों में राजनीतिक जागरूकता का एक बुनियादी स्तर होता है, ले कन लंग, शैक्ष णक स्तर और अन्य कारकों के आधार पर भन्नताएं मौजूद होती हैं। निष्कर्ष लगातार दिखाते हैं क कॉलेज के छात्र उच्च राजनीतिक जागरूकता प्रद र्शत करते हैं, फर भी उनकी स क्रय राजनीतिक भागीदारी सी मत रहती है। राजनीति में गहरी रु च के बावजूद, राजनीतिक गति व धयों में युवाओं की भागीदारी कम रहती है। कई युवा कानून और व्यवस्था की वफलताओं, बेरोजगारी और राजनीतिक संघर्षों जैसे मुद्दों के लए सरकार की आलोचना करते हैं, ले कन राजनीतिक प्र क्रयाओं में स क्रय रूप से योगदान नहीं देते हैं। यह अनिच्छा राजनीतिक अ भनेताओं द्वारा बनाई गई धारणाओं से उपजी हो सकती है। इसके अतिरिक्त, शोध बताते हैं क सोशल मी डया राजनीतिक जागरूकता, दक्षता और भागीदारी को बढ़ा सकता है। इस लए नागरिक समाज संगठनों को लोकतांत्रिक प्र क्रयाओं में अ धक सार्थक भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लए कॉलेज के छात्रों के बीच राजनीतिक चेतना को बढ़ावा देने के प्रयासों को तेज करना चाहिए। [21]

अध्ययन ने युवाओं में राजनीतिक जागरूकता के महत्व की जांच की और इस जागरूकता को बढ़ावा देने में रणनीतियों और चुनौतियों का पता लगाया। तेजी से हो रही तकनीकी प्रगति और जटिल सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य को देखते हुए, एक सु वचारित लोकतंत्र के लए युवा व्यक्तियों को राजनीतिक वमर्श और नागरिक भागीदारी में शा मल करना आवश्यक है। शोध ने राजनीतिक जागरूकता बढ़ाने के व भन्न तरीकों पर प्रकाश डाला, जिसमें शै क्षक पहल, सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम और डजिटल मी डया प्लेटफॉर्म शा मल हैं। अध्ययन ने युवाओं की भागीदारी में बाधा डालने वाली कई चुनौतियों की भी पहचान की, जैसे क राजनीतिक उदासीनता, गलत सूचना और ध्रुवीकरण। ल क्षत हस्तक्षेपों के माध्यम से इन बाधाओं को दूर करके, नीति निर्माता, शक्षक और नागरिक समाज संगठन युवा व्यक्तियों को स क्रय और सू चत नागरिक बनने के लए सशक्त बना सकते हैं। शोध ने डेटा संग्रह के लए एक सरल नमूनाकरण व ध का उपयोग करते

हुए प्राथ मक और द् वतीयक दोनों डेटा का उपयोग कया। कई लेखों और पत्रिकाओं की समीक्षा ने साहित्य के अंतराल की पहचान करने में मदद की, जिसने युवा राजनीतिक भागीदारी को बेहतर बनाने के अध्ययन के निष्कर्षों और निष्कर्षों में योगदान दिया। [22]

लेखक एवं वर्ष	मुख्य ध्यान	निष्कर्ष
पै डला एट अल .)2019(	नागरिक ज्ञान और प्रभावकारिता पर राजनीतिक भागीदारी का प्रभाव	नागरिक साक्षरता कार्यशालाओं और राजनीतिक भागीदारी से निम्न आय वाले हाई स्कूल के छात्रों के बीच राजनीतिक प्रभावकारिता और ज्ञान में वृद् ध हुई।
बेरुआ एट अल .)2012(	राजनीतिक भागीदारी में सोशल मी डया की भू मका	सोशल मी डया राजनीतिक जागरूकता और भागीदारी को बढ़ाता है, तथा स क्रय उपयोगकर्ता राजनीतिक रूप से अ धक सू चत होते हैं।
बडारू और अदु)2021(	द क्षण अफ्रीका में वश्व वद्यालय के छात्रों में राजनीतिक जागरूकता और भागीदारी	उच्च राजनीतिक जागरूकता ले कन कम भागीदारी; इस अंतर को कम करने के लए हस्तक्षेप की आवश्यकता।
ओ'नील) 2006(	मानव पूंजी और राजनीतिक भागीदारी	शक्षा नागरिक कौशल को बढ़ावा देती है और लोकतांत्रिक प्र क्रयाओं में भागीदारी को बढ़ाती है।
बैरेट और पाची)2019(	युवाओं की नागरिक एवं राजनीतिक भागीदारी	युवाओं की भागीदारी मनोवैज्ञानिक, सामाजिक, जनसांख्यिकीय और वृहद कारकों से प्रभा वत होती है।
कैम्पबेल)2018(	अमेरिकी स्कूलों में नागरिक शक्षा	बेहतर नागरिक शक्षा डेटा संग्रहण से राजनीतिक भागीदारी में असमानताएं कम हो सकती हैं।
कट्टीमनी)2012(	राजनीतिक भागीदारी पर शक्षा का प्रभाव	शक्षा से राजनीतिक ज्ञान, मतदाता उपस्थिति और नागरिक सहभा गता बढ़ती है।
माशेरोनी)2015(	राजनीतिक और नागरिक गति व धयों में युवाओं की भागीदारी	राजनीतिक भागीदारी सामाजिक अनुभवों, संसाधनों और डजिटल अंतः क्रयाओं से आकार लेती है।
टॉमी एट अल .)2022(	कॉलेज के छात्रों में राजनीतिक जागरूकता	जागरूकता अ धक ले कन भागीदारी कम; सोशल मी डया सहभा गता को बढ़ा सकता है।
स्नेहल और जावेद) 2024)	युवा राजनीतिक जागरूकता में रणनीतियाँ और चुनौतियाँ	शक्षा, आउटरीच और डजिटल प्लेटफॉर्म गलत सूचना और उदासीनता जैसी चुनौतियों के बावजूद युवाओं की राजनीतिक भागीदारी को बढ़ा सकते हैं।

निष्कर्ष

युवाओं में राजनीतिक जागरूकता लोकतांत्रिक भागीदारी और सामाजिक वकास को बढ़ावा देने के लए आवश्यक है। समीक्षा कए गए अध्ययनों में राजनीतिक चेतना को आकार देने में शक्षा, सोशल मी डया और नागरिक सहभा गता कार्यक्रमों की महत्वपूर्ण भू मका पर प्रकाश डाला गया है। जब क शोध से पता चलता है क छात्रों और युवा व्यक्तियों में

बुनियादी से लेकर उच्च स्तर की राजनीतिक जागरूकता होती है, लोकतांत्रिक प्र क्रयाओं में उनकी स क्रय भागीदारी कम रहती है। सामाजिक-आ र्थक स्थिति, शक्षा और राजनीतिक प्रवचन के संपर्क जैसे कारक राजनीतिक सहभा गता को महत्वपूर्ण रूप से प्रभा वत करते हैं। सोशल मी डया राजनीतिक जागरूकता बढ़ाने में एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में उभरा है, जो युवाओं को वास्त वक समय की जानकारी और भागीदारी के अवसरों तक पहुँच प्रदान करता है। हालाँ क, गलत सूचना, राजनीतिक ध्रुवीकरण और डजिटल वभाजन जैसी चुनौतियों का समाधान सार्थक सहभा गता सुनिश्चित करने के लए कया जाना चाहिए। अध्ययनों से पता चलता है क नागरिक साक्षरता कार्यशालाओं, सामुदायिक आउटरीच और उन्नत शै क्षक पाठ्यक्रमों सहित ल क्षत हस्तक्षेप राजनीतिक प्रभावकारिता में सुधार कर सकते हैं और युवाओं को राजनीतिक गति व धयों में भाग लेने के लए प्रेरित कर सकते हैं। इसके अलावा, निष्कर्ष राजनीतिक भागीदारी में मानव पूंजी के महत्व पर जोर देते हैं। शक्षा नागरिक कौशल वक सत करने, मतदाता मतदान बढ़ाने और एक सू चत मतदाता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भू मका निभाती है। हालाँ क, अपनी जागरूकता के बावजूद, कई युवा व्यक्ति पारंपरिक राजनीतिक गति व धयों से वमुख रहते हैं, जो ज्ञान और कार्रवाई के बीच अंतर को उजागर करता है। इस अंतर को कम करने के लए, नागरिक समाज संगठनों, शक्षकों और नीति निर्माताओं को स क्रय युवा भागीदारी को प्रोत्साहित करने वाले समावेशी मंच बनाने के लए सहयोग करना चाहिए। भागीदारी की बाधाओं को दूर करके और प्रौद्यो गकी का लाभ उठाकर, युवाओं को लोकतांत्रिक शासन में प्रभावी रूप से योगदान करने के लए सशक्त बनाया जा सकता है, जिससे अ धक सहभागी और सू चत समाज सुनिश्चित हो सके।

संदर्भ

[1] M. Kirlin, "The role of civic skills in fostering civic engagement," Cent. Inf. Res. Civ. Learn. Engagem., no. June, p. 31, 2003, [Online]. Available: http://eric.ed.gov/?id=ED497607%5Cnhttp://citeseerx.ist.psu.edu/viewdoc/summary?doi=10.1.1.188.9355%5Cnpapers2://publication/uuid/C71875CE-6386-4A1D-8503-7C96BF83B6CF.

[2] C. Lu, "Exploring Political Awareness and Civic Engagement Among Women Utilizing MATER Services." 2021.

[3] B. Bradya, R. J. Chaskin, and C. McGregor, "Promoting civic and political engagement among marginalized urban youth in three cities: Strategies and challenges," Elsevier, 2020.

[4] K. Kuotsu, "Political Awareness and Its Impact in Political Participation: A Gender Study in Nagaland, India." 2016.

[5] J. Ekman and E. Amnå, "Political participation and civic engagement: towards a new typology," 2012.

[6] श्रीडा. वजय, "राजनीतिक सहभा गताः अवधारणात्मक परिपेक्ष्य," J. Emerg. Technol. Innov. Res., 2018.

[7] संहरानी and तिवारीडॉ संध्या, "भारतीय राजनीति में मी डया की भू मका," 2023.

[8] F. M. Moghaddam, "Civic and Political Knowledge and Skills," The SAGE Encyclopedia of Political Behavior. 2017, doi: 10.4135/9781483391144.n47.

[9] कुमारी प्रया, "महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी और भारतीय महिला आन्दोलन," 2020.

[10] U. Nations, "Youth, Political Participation and Decision-making," United Nations Youth, 2012, [Online]. Available:

https://www.un.org/esa/socdev/documents/youth/fact-sheets/youth-political-participation.pdf.

[11] M. Barrett, "Civic and political engagement among youth," Researchgate, 2019.

[12] केन मथलेश, "भारतीय नागरिकों की राजनैतिक सामाजिक जागरूकता," Int. J. Humanit. Soc. Sci. Res., 2020.

[13] Y. A. Padilla, M. E. Hylton, and J. L. Sims, "Promoting Civic Knowledge and Political Efficacy Among Low-Income Youth Through Applied Political Participation." 2019.

[14] S. Barua, D. Borah, S. Mahanta, and I. Ahmed, "Role of social media in Political Awareness and Political Participation an Empirical Study of Dibrugarh District," IJFANS Int. J. Food Nutr. Sci., 2012.

[15] K. A. Badaru and E. O. Adu, "The Political Awareness and Participation of University Students in post-Apartheid South Africa," Res. Soc. Sci. Technol., vol. 6, no. 3, pp. 1–24, 2021, doi: 10.46303/ressat.2021.22.

[16] B. O'Neill, "Human capital, civic engagement and political participation: Turning skills and knowledge into engagement and action," Canadian Policy Research Networks Inc., no. Civic Engagement and Political Participation. p. 41, 2006.

[17] M. Barrett and D. Pachi, Youth Civic and Political Engagement, vol. 6. 2019.

[18] D. E. Campbell, "Measuring the Civic Participation of Adolescents," Measuring the Civic Participation of Adolescents. 2018.

[19] D. S. R. Kattimani, "THE impact of education on political partici[ation: A review," Locked Out Felon Disen. Am. Democr., vol. 10, pp. 1049–1056, 2012, doi: 10.1093/acprof:oso/9780195149326.003.0043.

[20] G. Mascheroni, "The practice of participation: Youth's vocabularies around on- and offline civic and political engagement," MEDIA@LSE Work. Pap. Ser., 2015.

[21] L. Tomy, M. Jose, and C. Chesneau, "A Statistical Study on Political Awareness among Youngsters in India," Iran. J. Educ. Sociol., 2022.

[22] Sneha1 and D. Javed, "Political Awareness Among Youth: An Analytical Study," Educ. Adm. Theory Pract., vol. 30, no. 5, pp. 13414–13420, 2024, doi: 10.53555/kuey.v30i5.5800.